# भारत की ताकत है अध्यात्म : मोदी

## कहा-दुर्भाग्य से कुछ लोग इसे धर्म से जोड़ देते हैं

**नई दिल्ली : योगदा सत्संग मठ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते स्वामी विश्वानंद गिरि।**

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आध्यात्म भारत की ताकत है और दुर्भाग्य से कुछ लोग इसे धर्म से जोड़ देते हैं। आध्यात्म और धर्म दोनों एक-दूसरे से अलग हैं। भारत योगदा सत्संग समाज (वाई.एस.एस.) के शताब्दी वर्ष समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि आध्यात्म की यात्रा की दिशा में योग पहला कदम है। मोदी ने कहा कि विश्व भारत की तुलना उसकी आबादी, जी.डी.पी. या रोजगार दर के आधार पर करता है लेकिन दुनिया ने भारत के अध्यात्म को न कभी जाना और न ही उसे मान्यता दी। प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में योगी परमहंस की प्रशंसा की जो अपने संदेश के प्रसार के लिए भारत से बाहर गए लेकिन सदैव भारत से जुड़े रहे। उल्लेखनीय है कि परमहंस ने 1917 में वाई.एस.एस. की स्थापना की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर योगदा सोसाइटी पर स्मारक डाक टिकट भी जारी की। मोदी ने इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के शब्दों का स्मरण किया जिसमें उन्होंने महसूस किया था कि आध्यात्म भारम की ताकत है और यह प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के आध्यात्म को हमारे साधु, संतों ने मजबूती प्रदान की। मोदी की यह टिप्पणी इस बात की पृष्ठभूमि में आई है जिसमें इस बात को लेकर बहस चल रही है कि कुछ राजनीतिक दल विशेष तौर पर चुनाव के दौरान समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास करते हैं।